25 OCT 12 2026.qxd 24-10-2026 21:23 Page 1

बोले सितारे

साप्ताहिक राशिफल- २६ अक्तूबर-०१ नवंबर- २०२६

मेष -

मेष राशि के जातकों के लिए अक्तूबर महीने का अंतिम सप्ताह मिले जुले फल देने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत करियर-कारोबार की दृष्टि से थोड़ी कठिनाई भरी रह सकती है। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपके काम में आने वाली बाधाएं आपको तनाव दे सकती हैं। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपको अपने कंपटीटर से कड़ा मुकाबला करना पड़ सकता है। साझेदारी में कारोबार करने वालों को अपने पार्टनर के साथ बेहतर तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी, अन्यथा गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। साझेदारी में व्यवसाय करने वाले लोगों को किसी बड़े फैसले लेने से पहले अपने पार्टनर से सलाह अवश्य लेना चाहिए, ताकि आपसी स्नेह बना रहे। सप्ताह के मध्य में सेहत को लेकर सावधानी बरतनी होगी अन्यथा शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर-कारोबार से जुड़ी समस्याएं सुलझती हुई नजर आएंगी। इस दौरान आप अपने बात-व्यवहार के जरिए अपना काम निकालने में कामयाब रहेंगे। छात्र वर्ग के लिए यह सप्ताह सामान्य कहा जाएगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में उन्हें कुछ नवीन अनुभव प्राप्त होंगे। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। सिंगल लोगों की नए मित्रों से मुलाकात होगी और उनसे सहयोग भी प्राप्त होगा।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान जी की पूजा में चालीसा का पाठ करें।

वृष -

वृष राशि के जातकों के लिए औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने कार्य बहुत सूझबूझ के साथ करने होंगे। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो कोई भी बड़ा कारोबारी निर्णय लेने से पहले अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। सप्ताह की शुरुआत आर्थिक दृष्टि से थोड़ी चुनौती भर रह सकती है। इस दौरान आप जितना धनार्जन करेंगे, उससे कहीं ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। ऐसे में इस दौरान धन का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा और धन को उधार देने या फिर जोखिम भरे निवेश से बचना होगा। वरना आपको भविष्य में आर्थिक दिक्कतें झेलनी पड़ सकती है। अत्यधिक आवश्यक हो, तो सप्ताह के उत्तरार्ध में सोच-समझकर निवेश किया जा सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों को दूसरे के भरोसे छोड़ने की गलती भूलकर भी न करें। अपने जीवन में अनुशासन और कार्यों के प्रति ईमानदारी बनाए रखें। सेहत की दृष्टि से वर्तमान समय अनुकूल कहा जा सकता है, लेकिन घरेलू समस्याएं बनी रहेगी जो आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती हैं। प्रेम संबंध सामान्य बने रहेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से संबल प्रदान होगा।

उपाय- प्रतिदिन पारद शिवलिंग की पूजा एवं रुद्राष्टकं का पाठ करें।

मिथुन -

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह करियर-कारोबार की दृष्टि से बेहद शुभ रहने वाला है। यदि आप बेरोजगार हैं और अपने लिए रोजी-रोजगार तलाश रहे हैं तो आपको अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। किसी शुभचिंतक की मदद से नया कारोबार को शुरू करने में आ रही आर्थिक दिक्कत दूर होगी। पहले से व्यवसाय कर रहे लोगों का बाजार में फंसा धन निकल आएगा और धन लाभ में बढ़ोतरी होगी। कुल मिलाकर धन की आवक बनी रहेगी। धनार्जन के नए अवसर भी मिलेंगे। नौकरीपेशा वालों के लिए भी समय अनुकूल कहा जाएगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन सकते हैं। आपके द्वारा कुछ ऐसे कार्य भी होंगे, जिससे आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों आप पर मेहरबान रहेंगे। सेहत की दृष्टि से सप्ताह का उत्तरार्ध थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। इस दौरान आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण परेशान हो सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम फलकारी कहा जाएगा। अध्ययन के प्रति एकाग्रता बनी रहेगी, लेकिन सप्ताह के उत्तरार्ध में समय इधर-उधर के कार्यों में बीतेगा। लव पार्टनर के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

उपाय- प्रतिदिन तुलसी जी की सेवा तथा पूजा में श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

कर्क -

कर्क राशि के जातकों के लिए यह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत स्वजनों के साथ हंसी-खुशी समय बिताते हुए बीतेगी। इस दौरान आपके घर का वातावरण सुखद रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ जीवन का पूरा आनंद लेंगे। घर में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। इस हफ्ते भूमि-भवन, वाहन आदि क्रय करने का सपना पूरा हो सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोग किसी बड़ी योजना में धन निवेश कर सकते हैं। कारोबार की दृष्टि से पूरा सप्ताह आपके पक्ष में रहेगा और इस संबंध में की गई यात्राएं सुखद एवं लाभप्रद साबित होंगी। अक्तूबर महीने का अंतिम सप्ताह छात्र वर्ग के लिए गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपको बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार मिल सकता है। प्रतियोगिता-परीक्षा आदि में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा लोगोंगो को कार्यालय में अनुकूल माहौल मिलेगा। अधिकारी वर्ग आपके काम की प्रशंसा करेंगे और सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा तालमेल देखने को मिलेगा। किसी विशेष परिवर्तन की आशा नहीं है। अपने कार्य में एकाग्रता बनाए रखें। प्रेम प्रसंग की दृष्टि से भी यह सप्ताह आपके पक्ष में हैं। लव पार्टनर के साथ आपसी रिश्ते मजबूत होंगे। जीवनसाथी की उपलब्धि से मन हर्षित रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा में चालीसा का पाठ करें।

सिंह -

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सफल साबित होने जा रहा है। जिन कार्यों को पूरा करने के लिए आप काफी समय से परेशान चल रहे थे, वे इस सप्ताह के अंत तक किसी महिला मित्र की मदद से मनचाहे तरीके से पूरे हो जाएंगे। पहले की अपेक्षा आपके सौभाग्य का ज्यादा साथ होने से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। करियर-कारोबार में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सिंह राशि के जातकों का सप्ताह के मध्य में रुझान नए विषयों की ओर बढ़ेगा। इस दौरान आपके संपर्क प्रभावी लोगों के साथ बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव और मान-सम्मान बढ़ेगा। इस सप्ताह उनके कद में पद में वृद्धि के पूरे योग हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में व्यापारियों के लिए लाभ के उत्तम योग बनेंगे। पूर्व में किये गये निवेश से बड़ा लाभ होगा, परन्तु कुछ अन्य परेशानियां आने के कारण धन दूसरी जगह व्यय भी हो सकता है। साझेदारी में व्यापार करने वालों को विशेष लाभ की प्राप्ति होगी। सिंह राशि के जातक इस सप्ताह घरेलू समस्याओं का समाधान खोजने में कामयाब होंगे। प्रेम संबंध में उपजी गलतफहमी दूर होंगी और आपसी विश्वास बढ़ेगा।

उपाय- प्रतिदिन उगते हुए सूर्य को जल देकर ॐ घृणि सूर्याय नमः का मंत्र जपें।

कन्या -

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी कहा जाएगा। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार के सिलसिले में आपको जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान नौकरीपेशा जातकों पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। इस दौरान आपकी जिम्मेदारियों में अनचाहे बदलाव होने की आशंका बनी रहेगी। कन्या राशि के जातकों के द्वारा इस समय की गई कोई भी गलती नुकसानदेह सिद्ध हो सकती है। ऐसे में अपने अधिकारी तथा सहकर्मियों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखते हुए उनके साथ विनम्रता के साथ पेश आएं। आर्थिक दृष्टिकोण से यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। यदि आप कार्य विशेष से लाभ की आशा लगाकर बैठे हैं, तो उसे मिलने में संदेह बना रहेगा। इस हफ्ते धन के लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें और किसी को पैसे उधार देने से बचें, अन्यथा उसकी वापसी मुश्किल होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध का समय व्यवसाय की दृष्टि से चुनौती भरा रहने वाला है। इस दौरान उन्हें सोच-समझकर निवेश करना होगा। इस दौरान आपका व्यापारिक लाभ कई कारणों से प्रभावित हो सकता है। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं और दिखावा करने से बचें।

उपाय- प्रतिदिन गणपति की पूजा में श्री गणेश चालीसा का पाठ करें।

तुला -

तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है, लेकिन इसका लाभ उठाने के लिए आपको अपनी सेहत को सही रखते हुए अपने समय का सदुपयोग करना होगा। सप्ताह की शुरुआत में मौसमी बीमारी के शिकार हो सकते हैं। इस दौरान आपको लंबी दूरी की थकान भरी यात्रा करनी पड़ सकती है। हालांकि यात्रा के दौरान आपके प्रभावी लोगों के साथ संपर्क स्थापित होंगे, जिनसे भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। आर्थिक दृष्टिकोण से सप्ताह की शुरुआत कुछ प्रतिकूल रह सकती है, और इस दौरान आय से अधिक व्यय होने की आशंका बनी रहेगी, लेकिन सप्ताह के उत्तरार्ध तक आप स्थितियों को संभाल लेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ और लाभप्रद साबित होगा। इस दौरान आप किसी बड़ी व्यावसायिक डील पर मुहर लगा सकते हैं। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के कद एवं पद में वृद्धि के योग बनेंगे। इस सप्ताह संतान सुख की प्राप्ति होगी। छात्र वर्ग को परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त होगी। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। विवाह योग्य व्यक्तियों को अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं।

उपाय- प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा एवं श्री सूक्त का पाठ करें।

वृश्चिक -

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह औसत फलदायी कहा जाएगा। इस सप्ताह वृश्चिक राशि के जातकों को दूसरों के काम में दखलअंदाजी करने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आप घरेलू समस्याओं के चलते करियर-कारोबार में अपना पूरा ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाएंगे। इस दौरान घर और बाहर दोनों जगह स्वजनों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन न मिलने के कारण आपका मन खिन्न रहेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी। सप्ताह के मध्य के बाद आपका अधिकांश समय इधर-उधर के बेकार कार्यों में बीतेगा। इस दौरान आपकी आय के मुकाबले खर्च की अधिकता रहेगी। अक्तूबर महीने का अंतिम सप्ताह वृश्चिक राशि के नौकरीपेशा जातकों के लिए मध्यम फलकारी कहा जाएगा। इस सप्ताह आप मानसिक परेशानियों के चलते अपना बेस्ट नहीं दे पाएंगे। आपके द्वारा की गई जरा-सी लापरवाही पूरे काम के बिगड़ने का कारण बन सकती है। इस सप्ताह आप अपने सहकर्मियों तथा अधिकारियों से मदद की उम्मीद न करते हुए स्वयं ही चीजों को पूरा करने का प्रयास करें। प्रेम प्रसंग में सावधानी अपेक्षित है।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान जी की पूजा में बजरंग बाण का पाठ करें।

धनु -

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिले जुले फल देने वाला कहा जाएगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान लंबी दूरी की यात्रा के योग बनेंगे। यात्रा थकान भरी और उम्मीद से कम फलदायी होने के कारण आपके भीतर निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं, हालांकि यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहेगी क्योंकि सप्ताह के मध्य से समय एक बार फिर आपके पक्ष में आना प्रारंभ हो जाएगा। ऐसे में सप्ताह के पूर्वार्ध में अपने क्रोध और हताशा पर नियंत्रण पाने का प्रयास करें और गलत निर्णय लेने से बचें। नौकरी पेशा एवं व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए समय सावधानी का है। इस समय जो भी कार्य करें, सोच-समझकर ही करें। यदि आप कारोबार में विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं तो आपको भविष्य में खासा लाभ होगा। नौकरीपेशा वालों को अपने सीनियर और जूनियर के साथ सावधानी के साथ बात-व्यवहार करना होगा। व्यापारी वर्ग को अपने कागजी काम समय पर सही तरीके से निपटने की आवश्यकता रहेगी। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग रहेगी। खट्टी-मीठी तकरार के साथ दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन हल्दी या केसर का तिलक लगाएं और पूजा में नारायण कवच का पाठ करें।

मकर -

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह औसत फलदायी कहा जाएगा। सप्ताह की शुरुआत से आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। बदलते मौसम में अपने खानपान और दिनचर्या को सही रखें अन्यथा शारीरिक, मानसिक और आर्थिक कष्ट झेलना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए थोड़ा चुनौती भरा रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आप घरेलू समस्याओं को लेकर लेकर चिंतित रह सकते हैं। इस दौरान यदि आपको कोई कार्य उचित न लगे तो लोगों को बड़ी विनम्रता के साथ न कहना सीखना होगा अन्यथा आपको बेवजह की परेशानी और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। प्रमोशन या फिर मनचाहे जगह पर तबादले के लिए अभी इंतजार करना होगा। यदि आप किसी योजना में धन निवेश करना चाहते हैं, तो उसके लिए अभी समय उचित नहीं कहा जाएगा। प्रेमी जनों को अपने लव पार्टनर से मेल मिलाप करने में बाधाएं आ सकती हैं। इस सप्ताह आपकी भावुकता में वृद्धि होगी।

उपाय- प्रतिदिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा एवं शिव महिम्न स्तोत्र का पाठ करें।

कुंभ -

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर और लाभप्रद साबित होगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी शारीरिक समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे तो आपको इस सप्ताह स्वास्थ्य लाभ मिल जाएगा। सौभाग्य के साथ आपको अपने परिजनों का भी पूरा साथ मिलेगा। सप्ताह की शुरुआत में घर में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे और आत्मीय लोगों के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके पक्ष में रहने वाला है। करियर-कारोबार दोनों में अनुकूलता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों की जहां आय के अतिरिक्त साधन बनेंगे तो वहीं व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में मनचाहा लाभ होगा। इस सप्ताह करियर-कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं सुखद और लाभप्रद साबित होंगी। छात्र वर्ग के लिए यह सप्ताह कोई सुखद समाचार लेकर आएगा। उन्हें परीक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम के अनुसार फल की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में पैतृक संपत्ति की प्राप्ति संभव है। इस दौरान घर के किसी बुजुर्ग सदस्य का स्नेह आप पर बरसेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे और नजदीकियां बढ़ेंगीं।

उपाय- प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमत उपासना एवं श्री सुंदरकांड का पाठ करें।

मीन -

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा आपाधापी लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही घरेलू समस्याएं आपकी चिंता का बड़ा कारण बनेंगी। इस सप्ताह मीन राशि के जातकों को अपने निर्णय बड़े सावधानी और सूझबूझ के साथ लेने होंगे अन्यथा बाद में उन्हें बेवजह की परेशानी उठानी पड़ सकती है। संतान पक्ष से जुड़ी समस्या को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग का इस हफ्ते किसी बात को लेकर अपने सहयोगियों के साथ विवाद हो सकता है, हालांकि अधिकारी वर्ग की कृपा बने रहने के कारण आप पर कोई आंच नहीं आएगी। व्यापारियों के लिए समय अनुकूल नहीं कहा जा सकता, उन्हें इस हफ्ते उतार-चढ़ाव भरी स्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। ऐसे में किसी योजना में सोच-समझकर ही धन निवेश करें। जोखिम भरे निवेश से यथासंभव बचें। पार्टनरशिप में कारोबार करने वालों को अपने साझेदार पर आंख मूंदकर विश्वास करने से बचना होगा। अहम निर्णयों को लेते समय अपने शुभचिंतकों की राय जरूर लें। प्रेम प्रसंग में उतावलेपन से बचें और लव पार्टनर की भावनाओं की कद्र करें। रिश्तों की मर्यादा बनाए रखें और कोई भी ऐसा कार्य न करें जिसके कारण आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़े।

उपाय- प्रतिदिन देवी दुर्गा की पूजा में चालीसा का पाठ करें।



शरद पूर्णिमा

भारतीय संस्कृति के सनातन धर्म में आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा का प्रमुख पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने की धार्मिक व पौराणिक परम्परा है। शरद पूर्णिमा के पर्व को कौमुदी उत्सव, कुमार उत्सव, शरदोत्सव, रास पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा एवं कमला पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस पूर्णिमा में अनोखी चमत्कारी शक्ति निहित है। ज्योतिषविद् विमल जैन ने बताया कि ज्योतिष गणना के अनुसार सम्पूर्ण वर्ष में आश्विन शुक्लपक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन ही चन्द्रमा षोडश कलाओं से युक्त होता है। षोडश कलायुक्त चन्द्रमा से निकली किरणें समस्त रोग व शोक हरनेवाली बतलाई गई है। इस दिन चन्द्रमा पृथ्वी के सर्वाधिक निकट रहता है। इस रात्रि को दिखाई देने वाला चन्द्रमा अपेक्षाकृत अधिक बड़ा दिखलाई पड़ता है। ऐसी मान्यता है कि भू-लोक पर शरद पूर्णिमा के दिन लक्ष्मीजी घर-घर विचरण करती हैं, जो जागृत रहता है उसपर अपनी विशेष कृपा-वर्षा करती हैं। आश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर, रविवार को दिन में 11 बजकर 57 मिनट पर लग रही है, जो कि 26 अक्टूबर, सोमवार को दिन में 9 बजकर 42 मिनट तक रहेगी, तत्पश्चात् प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। अश्विनी नक्षत्र 25 अक्टूबर, रविवार को रात्रि 7 बजकर 22 मिनट से 26 अक्टूबर, सोमवार को सायं 5 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। सोमवार को अश्विनी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, इसी दिन स्नान-दानादि की पूर्णिमा मनाई जाएगी, जो कि स्नान-दान के लिए विशेष फलदायी है। पूर्णिमा तिथि का मान 25 अक्टूबर, रविवार को रात्रि में होने के फलस्वरूप कोजागरी व्रत इसी दिन रखा जाएगा, इसी रात्रि में भगवती श्रीलक्ष्मीजी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की जाएगी। जिन्हें जन्मकुण्डली के अनुसार चन्द्रग्रह का अनुकूल फल न मिल रहा हो, उन्हें आज के दिन व्रत अवश्य रखना चाहिए। आरोग्य-लाभ के लिए शरद पूर्णिमा के चन्द्रकिरणों में औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। शरद पूर्णिमा की रात्रि में दूध से बनी खीर को चाँदनी की रोशनी में अति महीन श्वेत व स्वच्छ वस्त्र से ढँककर रखी जाती है, जिससे खीर पर चन्द्रमा के प्रकाश की किरणें पड़ती रहे। इस खीर को भक्तिभाव से प्रसाद के तौर पर भक्तों में वितरण करके स्वयं भी ग्रहण करते हैं, जिससे स्वास्थ्य लाभ होता है तथा जीवन में सुख-समृद्धि व सौभाग्य का सुयोग बनता है। प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा के पश्चात् शरद पूर्णिमा के व्रत का संकल्प लेना चाहिए। श्रीलक्ष्मीजी व श्रीविष्णुजी का विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन करना चाहिए। धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, राजलक्ष्मी, वैभवलक्ष्मी, ऐश्वर्यलक्ष्मी, सन्तानलक्ष्मी, कमलालक्ष्मी एवं विजयलक्ष्मी।





